नरेश कुमार मारू :- 7240278306 /9261205306 बीकानेर शुक्रवार 30 अगस्त 2024 Email:- n

एसकेआरएयू में प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

गांव का पैसा गांव में और शहर का पैसा गांव में आएगा तब किसान समृद्ध होगा- आचार्य श्री देवव्रत

बीकानेर (निष्पक्ष कलम) ।गुजरात के राज्यपाल आचार्य श्री देवव्रत ने कहा कि गांव का पैसा गांव में और शहर का पैसा गांव में आएगा तब किसान समृद्ध होगा और यह प्राकृतिक खेती के जरिए संभव है। देश को फैमिली डॉक्टर की नहीं, प्राकृतिक किसान की जरूरत है। रासायनिक खेती ने पूरे भारत की धरती को बंजर बना दिया है। हमारे देश में आने वाले दस सालों में कैंसर का भयंकर विस्फोट होने वाला है। घर-घर बीपी, शुगर के मरीज हो गए हैं। लिहाजा हमें रासायनिक और जैविक खेती की जगह प्राकृतिक खेती को अपनाने की सख्त जरूरत है। राज्यपाल आचार्य श्री देवव्रत स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खेती पर चल रही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप

बीकानेर व गुजरात के प्राकृतिक खेती विज्ञान विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू हुआ। जिसके तहत अब प्राकृतिक खेती को लेकर दोनों विश्वविद्यालयों में शोध से लेकर अन्य गतिविधियों का आदान-प्रदान हो सकेगा। कार्यक्रम में अतिथियों ने पोस्टर प्रस्तुति में उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र का वितरण किया । आयोजन सचिव डॉ वी.एस.आचार्य ने संगोष्ठी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

में बोल रहे थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री देवी सिंह भाटी और गुजरात प्राकृतिक खेती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सी.के.टिम्बड़िया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ ए के गहलोत, कृषि विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेंद्र कुमार खत्री, एडीएम प्रशासन डॉ दुलीचंद मीणा सहित विवि के सभी डीन, डायरेक्टर्स समेत अन्य कार्मिक, किसान, कृषक महिलाएं और स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

कार्यक्रम में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय

एसकेआरएयू में प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

देश को फैमिली डॉक्टर की नहीं, प्राकृतिक किसान की जरूर : आचार्य देवव्रत

एसकेआरएयू बीकानेर व गुजरात के प्राकृतिक खेती विज्ञान विश्वविद्यालय के मध्य होगा एमओयू

बीकानेर ।गुजरात के राज्यपाल आचार्य श्री देवव्रत ने कहा कि गांव का पैसा गांव में और शहर का पैसा गांव में आएगा तब किसान समृद्ध होगा और यह प्राकृतिक खेती के जरिए संभव है। देश को फैमिली डॉक्टर की नहीं, प्राकृतिक किसान की जरूरत है। रासायनिक खेती ने पूरे भारत की धरती को बंजर बना दिया है। हमारे देश में आने वाले दस सालों में कैंसर का भयंकर विस्फोट होने वाला है। घर-घर शुगर के मरीज हो गए हैं। लिहाजा हमें रासायनिक और जैविक खेती की जगह प्राकृतिक खेती को अपनाने की सख्त जरूरत है। राज्यपाल आचार्य श्री देवव्रत स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खेती पर चल रही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि पिछले साल देश में 2.5 लाख करोड़ का यूरिया, डीएपी भारत सरकार ने आयात किया। हम भारत का धन बाहर भेजकर बदले में जहर खरीद रहे हैं। धरती हमारी मां है ये हमें जीवन भर पालती है लेकिन हमने यूरिया, डीएपी और रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध प्रयोग कर इसे जला दिया है। अब धरती में ताकत नहीं बची। लेकिन प्राकृतिक खेती के जरिए केवल दो साल में ताकत हासिल किया जा सकता है।हरियाणा के कुरूक्षेत्र में प्राकृतिक खेती के जरिए हमने जमीन का ऑर्गेनिक कार्बन 0.23 से बढ़ाकर 1.7 कर लिया है। गुजरात में 10 लाख किसान प्राकृतिक खेती कर रहे हैं इसे बढ़ाकर 20 लाख करने का लक्ष्य है। हिमाचल प्रदेश में एक भी ग्राम पंचायत ऐसी नहीं है जहां प्राकृतिक खेती ना होती हो। विशिष्ट अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री देवी सिंह भाटी ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक अच्छा कार्य करें ताकि किसानों को फायदा हो। साथ ही कहा कि सरकार ने बड़े बड़े संस्थान तो खोल दिए लेकिन इनके रिजल्ट भी आने चाहिए। गुजरात प्राकृतिक खेती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सी.के.टिम्बड़िया ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय देश का पहला प्राकृतिक खेती विश्वविद्यालय है। अब स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय ने भी प्राकृतिक खेती की दिशा में पहल की है अब हम दो बहनें हो गई हैं। जहां जहां हमारी जरूरत पड़ेगी, हम एसकेआरएयू को सहायता के लिए तैयार रहेंगे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने देश में प्राकृतिक खेती की आवश्यकता को लेकर स्वागत उद्बोधन दिया।

प्राकृतिक खेती को लेकर एमओयू

कार्यक्रम में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर व गुजरात के प्राकृतिक खेती विज्ञान विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू हुआ। जिसके तहत अब प्राकृतिक खेती को लेकर दोनों विश्वविद्यालयों में शोध से लेकर अन्य गतिविधियों का आदान-प्रदान हो सकेगा। कार्यक्रम में अतिथियों ने पोस्टर प्रस्तुति में उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र का वितरण किया। आयोजन सचिव डॉ वी.एस.आचार्य ने संगोष्ठी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के आखिर में कार्यक्रम संयोजक और कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एसकेआरएयू में प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

कृषक अनुभव व कृषक संवाद का हुआ आयोजन

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खेती पर चल रही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन शुक्रवार को प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण, परिणाम, कृषक अनुभव और कृषक संवाद विषय पर दो तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। संगोष्ठी संयोजक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि विद्या मंडप में दोपहर करीब 2 बजे तक हुए इस आयोजन के अंतर्गत प्रथम सत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 तक स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरूण कुमार की अध्यक्षता और केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान के निदेशक डॉ जगदीश राणे की सह अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिसमें उत्तर प्रदेश से आए किसान श्री महेन्द्र सिंह ने प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण, लूणकरणसर से आए हनुमान दास ने बीज प्रबंधन और कीट नियंत्रण के सरल उपाय और बीकानेर के गोविंदसर से आए निर्मल कुमार बरड़िया ने भूमि सुपोषण व गोबर, गोमूत्र प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।

» एसकेआरएयू में प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण, परिणाम, कृषक अनुभव व संवाद का हुआ आयोजन

इबादत न्यूज

बीकानेर, 30 अगस्त। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खेती पर चल रही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन शुक्रवार को प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण, परिणाम, कृषक अनुभव और कृषक संवाद विषय पर दो तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ।

संगोष्ठी संयोजक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के. यादव ने बताया कि विद्या मंडप में दोपहर करीब 2 बजे तक हुए इस आयोजन के अंतर्गत प्रथम सत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 तक स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरूण कुमार की अध्यक्षता और केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान के निदेशक डॉ जगदीश राणे की सह अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिसमें उत्तर प्रदेश से आए किसान महेन्द्र सिंह ने प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण, लूणकरणसर से आए हनुमान दास ने बीज प्रबंधन और कीट नियंत्रण के सरल उपाय और बीकानेर के गोविंदसर से आए निर्मल कुमार बरड़िया ने भूमि सुपोषण व गोबर,गोमूत्र प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम सचिव डॉ वी.एस. आचार्य ने बताया दोपहर 12.30 बजे से 2.00 बजे तक आयोजित हुए दूसरा तकनीकी सत्र राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ ए.के.गहलोत की अध्यक्षता और प्रधान वैज्ञानिक डॉ आर.के. सावल की सह अध्यक्षता में आयोजित हुआ। प्राकृतिक खेती परिणाम,कृषक अनुभव, कृषक संवाद विषय पर आयोजित हुए इस सत्र में सचिन राजपूत ने सफलता की कहानी, पोकरण के गायड राम ने जैविक खेती व उसका प्रमाणीकरण प्रक्रिया, पदमपुर के किसान रणजीत कुमार ने जोजोबा की प्राकृतिक खेती पर व्याख्यान दिया।

उत्तरप्रदेश के बुलंदशहर से आए संजीव कुमार व सुमित त्यागी ने खुद की प्राकृतिक खेती को लेकर सफलता की कहानी बताई। सत्र के आखिर में कृषक अनुभव व कृषक संवाद का आयोजन किया गया।

पंजाब केसरी
SAT,31 AUGUST 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 4

एस.के.आर.ए.यू. में प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

■ संगोष्ठी के दूसरे दिन प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण, परिणाम, कृषक अनुभव व कृषक संवाद का हुआ आयोजन

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए। (प्रेम)

बीकानेर, 30 अगस्त (प्रेम): स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खेती पर चल रही 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन शुक्रवार को प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण, परिणाम, कृषक अनुभव और कृषक संवाद विषय पर 2 तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ।

संगोष्ठी संयोजक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी.के.यादव ने बताया कि विद्या मंडप में दोपहर करीब 2 बजे तक हुए इस आयोजन के अंतर्गत प्रथम सत्र सुबह 10 से दोपहर 12.30 तक स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.अरूण कुमार की अध्यक्षता और केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान के निदेशक डॉ. जगदीश राणे की सह अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम सचिव डॉ. वी.एस.आचार्य ने बताया दोपहर 12.30 से 2.00 बजे तक आयोजित हुए दूसरा तकनीकी सत्र राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ ए.के.गहलोत की अध्यक्षता और प्रधान वैज्ञानिक डॉ.आर.के.सावल की सह अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

प्राकृतिक खेती परिणाम, कृषक अनुभव, कृषक संवाद विषय पर आयोजित हुए, इस सत्र में सचिन राजपूत ने सफलता की कहानी, पोकरण के गायड राम ने जैविक खेती व उसका प्रमाणीकरण प्रक्रिया, पदमपुर के किसान रणजीत कुमार ने जोजोबा की प्राकृतिक खेती पर व्याख्यान दिया।

उत्तरप्रदेश के बुलंदशहर से आए संजीव कुमार व सुमित त्यागी ने खुद की प्राकृतिक खेती को लेकर सफलता की कहानी बताई। सत्र के आखिर में कृषक अनुभव व कृषक संवाद का आयोजन किया गया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में बोले गुजरात के राज्यपाल

देश को फैमिली डॉक्टर की नहीं, प्राकृतिक किसान की जरूरत

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित हुई संगोष्ठी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन शुक्रवार को हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि गांव का पैसा गांव में और शहर का पैसा गांव में आएगा, तब किसान समृद्ध होगा।

यह प्राकृतिक खेती के जरिए संभव है। देश को फैमिली डॉक्टर की नहीं, प्राकृतिक किसान की जरूरत है। रासायनिक खेती ने पूरे भारत की धरती को बंजर बना दिया हैं। हमारे देश में आने वाले दस सालों में कैंसर का भयंकर विस्फोट होने वाला है। घर-घर बीपी-शुगर के मरीज हो गए हैं। लिहाजा हमें रासायनिक और जैविक खेती की जगह प्राकृतिक खेती को अपनाने की सख्त जरूरत है।

2.5 लाख करोड़ का यूरिया, डीएपी आयात किया

राज्यपाल ने कहा कि पिछले साल देश में 2.5 लाख करोड़ का यूरिया, डीएपी भारत सरकार ने आयात किया। हम भारत का धन बाहर भेजकर बदले में जहर खरीद रहे हैं। धरती हमारी मां है ये हमें जीवन भर पालती हैं लेकिन हमने यूरिया, डीएपी और रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध प्रयोग कर इसे जला दिया है। अब धरती में ताकत नहीं बची। लेकिन प्राकृतिक खेती के जरिए केवल दो साल में ताकत हासिल किया जा सकता है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती के जरिए हमने जमीन का ऑर्गेनिक कार्बन 0.23 से बढ़ाकर 1.7 कर लिया है। गुजरात में 10 लाख किसान प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। इसे बढ़ाकर 20 लाख करने का लक्ष्य है। हिमाचल प्रदेश में एक भी ग्राम पंचायत ऐसी नहीं है, जहां प्राकृतिक खेती न होती हो।

कृषि वैज्ञानिक अच्छा कार्य करें, ताकि किसानों को फायदा हो

विशिष्ठ अतिथि देवी सिंह भाटी ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक अच्छा कार्य करें, ताकि किसानों को फायदा हो। साथ ही कहा कि सरकार ने बड़े बड़े संस्थान तो खोल दिए लेकिन इनके रिजल्ट भी आने चाहिए।

गुजरात प्राकृतिक खेती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सी.के.टिम्बड़िया ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय देश का पहला प्राकृतिक खेती विश्वविद्यालय है। अब स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय ने भी प्राकृतिक खेती की दिशा में पहल की है। अब हम दो बहनें हो गई हैं। जहां जहां हमारी जरूरत पड़ेगी, हम एसकेआरएयू को सहायता के लिए तैयार रहेंगे। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने देश में प्राकृतिक खेती की आवश्यकता को लेकर स्वागत उद्बोधन दिया।

एसकेआरएयू व गुजरात के प्राकृतिक खेती विज्ञान विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू

कार्यक्रम में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर व गुजरात के प्राकृतिक खेती विज्ञान विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू हुआ। जिसके तहत अब प्राकृतिक खेती को लेकर दोनों विश्वविद्यालयों में शोध से लेकर अन्य गतिविधियों का आदान-प्रदान हो सकेगा। कार्यक्रम में अतिथियों ने पोस्टर प्रस्तुति में उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र का वितरण किया। आयोजन सचिव डॉ. वी.एस.आचार्य ने संगोष्ठी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 31-08-2024

भास्कर खास • एसकेआरएयू बीकानेर व गुजरात के प्राकृतिक खेती विज्ञान विश्वविद्यालय के मध्य हुआ एमओयू

फैमिली डॉक्टर की नहीं, प्राकृतिक किसान की जरूरतः आचार्य

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि गांव का पैसा गांव में और शहर का पैसा गांव में आएगा तब किसान समृद्ध होगा और यह प्राकृतिक खेती के जरिए संभव है। देश को फैमिली डॉक्टर की नहीं, प्राकृतिक किसान की जरूरत है। रासायनिक खेती ने पूरे भारत की धरती को बंजर बना दिया है। हमारे देश में आने वाले दस सालों में कैंसर का भयंकर विस्फोट होने वाला है। घर-घर बीपी, शुगर के मरीज हो गए हैं। लिहाजा हमें रासायनिक और जैविक खेती की जगह प्राकृतिक खेती को अपनाने की सख्त जरूरत है।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खेती पर चल रही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री देवी सिंह भाटी और गुजरात प्राकृतिक खेती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सीके टिम्बाड़िया थे। अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ. एके गहलोत, कृषि विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेंद्र कुमार खत्री, एडीएम प्रशासन डॉ दुलीचंद मीणा सहित विवि के सभी डीन, डायरेक्टर्स समेत अन्य कार्मिक, किसान, कृषक महिलाएं और स्टूडेंट्स शामिल हुए।

कार्यक्रम में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर व गुजरात के प्राकृतिक खेती विज्ञान विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू हुआ। जिसके तहत अब प्राकृतिक खेती को लेकर दोनों विश्वविद्यालयों में शोध से लेकर अन्य गतिविधियों का आदान-प्रदान हो सकेगा।